केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
क्षेत्रीय निदेशयलय (मध्य), भोपाल

विश्व ओज़ोन दिवस प्रतिवेदन : 2024

हर साल 16 सितंबर को पूरी दुनिया विश्व ओजोन दिवस के रूप में मनाती है। यह दिन हमारे वायुमंडल में ओजोन परत की सुरक्षा और संरक्षण के महत्व को उजागर करने के लिए समर्पित है। ओजोन परत पृथ्वी की सतह से लगभग 15-40 किलोमीटर ऊपर स्थित होती है और सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि ओजोन परत कमजोर हो जाए या समाप्त हो जाए, तो इसका प्रभाव हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों पर पड़ सकता है। इसलिए, इसे संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है।

ओजोन दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत की रक्षा और संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। 1985 में वैज्ञानिकों ने पाया कि ओजोन परत पतली हो रही है, जिसे ओजोन छिद्र के रूप में जाना गया। इसका प्रमुख कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) जैसे हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल था, जो वायुमंडल में पहुंचकर ओजोन को नष्ट कर रहे थे। इस समस्या को हल करने के लिए 1987 में 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल' पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य ओजोन परत को नष्ट करने वाले पदार्थों के उत्पादन और उपयोग को नियंत्रित करना था। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल आज भी ओजोन परत के

संरक्षण के लिए सबसे प्रभावी वैश्विक संधि मानी जाती है। ओजोन दिवस इस ऐतिहासिक संधि और उससे जुड़े प्रयासों को सम्मान देने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने के लिए मनाया जाता है।

विश्व ओजोन दिवस 2024 की थीम : हर साल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ओजोन दिवस के लिए एक नई थीम निर्धारित करता है, जो उस वर्ष की प्राथमिकताओं और चुनौतियों को रेखांकित करती है। **वर्ष 2024 की थीम 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल: जलवायु कार्यवाही को आगे बढ़ाना' ('Montreal Protocol: Advancing Climate Actions')** हैं I यह थीम इस ओर ध्यान आकर्षित करती है कि कैसे ओजोन परत को बचाने के लिए चुनौतियों का सामना किया जा रहा है और साथ ही किस प्रकार विज्ञान और तकनीकी नवाचार इस समस्या को हल करने में मदद कर रहे हैं।

<u>दिनांक 17.09.2024 को क्षेत्रीय निदेशयलय (मध्य), भोपाल में विश्व ओजोन दिवस कार्यक्रम का आयोजन</u> :

ओजोन दिवस के अवसर पर वैश्विक और स्थानीय स्तर पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, इसी तारतम्य में क्षेत्रीय निदेशयलय (मध्य), भोपाल कार्यालय में दिनांक 17.09.2024 को विश्व ओजोन दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमति रश्मि ठाकुर, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के द्वारा किया गया। डॉ. रानू वर्मा, वैज्ञानिक-ग के द्वारा वर्ष 2024 की थीम 'Montreal Protocol: Advancing Climate Actions' विषय पर पावरपोईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ओज़ोन के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत चित्रण किया गया। उन्होने बतलाया की हमारे ग्रह पृथ्वी की सतह से दस से चालीस किलोमीटर ऊपर समताप मंडल (Stratosphere) में स्थित ओज़ोन परत हमें हानिकारक पराबैंगनी विकिरण से बचाती है जिसे स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन (Stratospheric Ozone) या अच्छी ओज़ोन (Good Ozone) के रूप में भी जाना जाता है। जो कि मनुष्य को प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों से बचाती है तथा कृषि, वानिकी और जलीय जीवन की रक्षा करती है। हालाँकि मानव निर्मित ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों (ODS) जिनमे मुख्य रूप से रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग, फोम ब्लोइंग, एरोसोल, सॉल्वैंट्स के रूप में इस्तेमाल होने वाले रसायन शामिल हैं, के कारण समताप मंडल में ओज़ोन का क्षय हुआ है। जिसे ओजोन छिद्र के रूप में जाना जाता है।

आगे उन्होने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के मुताबिक, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के अनुसार विकसित और विकासशील देशों के लिए अलग-अलग समय-सारिणी के साथ ओजोन परत को नष्ट करने वाले विभिन्न पदार्थों (ODS) की खपत और उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से कम करने संबंधी कार्य योजनाओं के बारे में बतलाया तथा भारत सरकार द्वारा पेश किये गए भारतीय कूलिंग एक्शन प्लान (ICAP) पर भी प्रकाश डाला। इसके उपरान्त उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी गणों ने भी ओजोन संबन्धित विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा परिचर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय निदेशक महोदय जी ने ओजोन क्षयकारी पदार्थों (ODS) की खपत और उत्पादन को चरणबद्ध तरीके से कम करने संबंधी कार्य योजनाओं के प्रति सीपीसीबी की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्होंने परिवेशी वायु गुणवत्ता में ओजोन स्तर में वृद्धि के कारणों के बारे में भी चर्चा की और उसके विश्लेषण के विषय में विस्तारपूर्वक चर्चा की ।

उन्होने सभी से यह आवाहन भी किया की - शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम, पर्यावरण मित्रता अभियान, विज्ञान और तकनीकी प्रदर्शन, सामाजिक मीडिया अभियान, स्थानीय सामुदायिक कार्यक्रम इत्यादि गतिविधियां के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने का कार्य करे एवं आम जन को सक्रिय रूप से शामिल करने हेतु प्रोत्साहित करे।

विश्व ओजोन दिवस कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम की संचालिका के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

अंततः इस वाक्यांश के साथ मैं इस प्रतिवेदन को विराम देना चाहूँगी कि :
"विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।"

रश्मि ठाकुर
वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक

(पी. जगन)
क्षेत्रीय निदेशक

ओज़ोन परत के संरक्षण हेतु
खुद को जागरूक बनाएं,